Remarks by Ambassador for Closing Ceremony of Hindi Classes and the Thursday Lecture Series

4th June 2026

नमस्कार और शुभ संध्या।

अमृता शेरगिल सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित हो रहे हिंदी कक्षाओं और गुरुवार व्याख्यान श्रृंखला के इस भव्य समापन समारोह में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है ।

आज हमारे बीच कुछ विशेष अतिथि भी उपस्थित हैं जिन्हें हम जल्द ही सम्मानित करेंगे । हमारे उत्कृष्ट तैराक और अधिकारी–स्क्वाड्रन लीडर अर्चना त्यागराजन , मेजर अक्षय थट्टे , एडवोकेट वचन एचयू , अर्चना शंकरनारायणन , और उनके प्रबंधक स्क्वाड्रन लीडर शनमुख रेड्डी का यहाँ होना हमारे लिए गर्व का विषय है। आपकी उपस्थिति ने इस समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया है।

हंगरी का एक गहरा और समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास है। हंगेरियन लोगों को अपनी अनूठी भाषा और महान विरासत पर बहुत गर्व है, जो उनकी राष्ट्रीय पहचान का मूल है। फिर भी, जो बात इस देश को वास्तव में उल्लेखनीय बनाती है, वह है यहाँ के लोगों की बौद्धिक जिज्ञासा, और भारतीय भाषाओं तथा हमारी सांस्कृतिक विरासत का पता लगाने के लिए उनका खुलापन और तत्परता। हाल ही में बालाटनफ्युरेड में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की यात्रा की स्मृति में आयोजित 'ईयर ऑफ टैगोर' समारोह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि हमारी संस्कृतियां कितने गहरे स्तर पर जुड़ी हुई हैं। यह खुलापन और सम्मान ही वह मजबूत नींव है जिस पर हमारे द्विपक्षीय संबंध टिके हैं।

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है; यह एक नई दुनिया का प्रवेश द्वार है। आज के इस तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में, हिंदी सीखने का महत्व कहीं अधिक बढ़ गया है। भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI), सेमीकंडक्टर निर्माण, और अंतरिक्ष अनुसंधान में हमारी हालिया उपलब्धियां एक नए, आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत भारत की कहानी कहती हैं।

ऐसे में, आज के समय में हिंदी सीखना केवल एक भाषाई शौक नहीं है, बल्कि यह स्वयं को भविष्य के लिए तैयार करना (future-proofing) है। हिंदी में दक्षता हासिल करके, आप केवल एक प्राचीन सभ्यता को नहीं समझ रहे हैं, बल्कि आप दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी, एक विशाल उभरते बाजार, और नवाचार के एक वैश्विक केंद्र से सीधे जुड़ रहे हैं।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी और प्रबुद्ध नेतृत्व में, भारत सरकार ने दुनिया भर में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक

मंचों से लेकर वैश्विक व्यापार तक, हिंदी अपनी एक सशक्त और बुलंद पहचान बना रही है। विदेशों में हमारे भारतीय मिशन, अपने सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से इस भाषाई सेतु को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बुडापेस्ट में, हमारी हिंदी कक्षाओं की एक विशेष और ऐतिहासिक प्रासंगिकता है। यह याद करना हमारे लिए बहुत गर्व का विषय है कि इन कक्षाओं की शुरुआत तब हुई थी जब भारत के प्रख्यात विदेश मंत्री, डॉ. एस. जयशंकर, इस मिशन में तैनात थे। आप सभी उस गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं जिसे स्थापित करने में उन्होंने मदद की थी।

मैं उन सभी छात्रों की सराहना करता हूं जिन्होंने अपने प्रारंभिक , मध्यवर्ती , और उन्नत हिंदी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। आज शाम की हमारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी बहुत खास हैं। मैं छात्रों द्वारा कविता पाठ , नाटक "आंख की पुतली" , और गौरा-वाणी डांस ग्रुप , सुश्री निशा केसरी , तथा भांगड़ा बुडापेस्ट डांस ग्रुप के शानदार प्रदर्शन की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं।

डॉ. मारिया नेज्येसी, डॉ. बेंस फुस्टोस, और सभी शिक्षकों तथा कलाकारों को मेरा हार्दिक धन्यवाद। आप सभी को एक सुखद और यादगार शाम की शुभकामनाएं! धन्यवाद।